O

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

परीक्षा के नाम की सील: H.S.S.C. Exam.

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

1. विषय कोड 1 4 0 परीक्षा का विषय अर्थशास्त्र
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी परीक्षा की दिनांक 25-3-09
3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट A, B, C, या D) अनिवार्यतः भरें — कोड U - सेट B

केन्द्र क्रमांक की सील

C.No.251034

2009

क्रमांक K 3744667

परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

2	9	2	5	1	7	8	9	4

नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को उसी क्रम में शब्दों में लिखा जाए :-

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

पर्यवेक्षक/केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :-

क :- संख्या शब्दों में 2 अंकों में 2

ख :- परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक 9 में है।

ग :- उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक)

नाम सुमनलता ठाo पद सoअo

पता/संस्था P.I.S पचौरिया

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

B S E M P

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पुि
चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन ि
पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक र

हस्ताक्षर (परीक्षक)

हस्ताक्षर (उपमुख्य

परीक्षक क्रमांक 9 10 506

दिनांक..........

दिनांक..........

परीक्षार्थी के लिए निर्देश -

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौंपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौंपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

3 | योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 3 के अंक | कुल अंक

1

प्रश्न 1 का उ०

(i) ~~श्र~~ राष्ट्रीय आय विश्लेषण
(ii) ⇒ वृद्धि
(iii) ⇒ बाजार मूल्य
(iv) ⇒ शुद्ध सकल ~~घ~~ घरेलू उत्पाद
(v) ⇒ बंद

B 2
S

प्रश्न 2 का उ० ⇒

(i) अति अल्पकालीन
(ii) मानव शक्ति
(iii) सार्वधानिक व्यय में कमी
(iv) 1 जनवरी 1935
(v) ~~सार्वधानिक व्यय में कमी~~ अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में

प्रश्न 3 का उ०

(i) तृतीय वृत्त
(ii) ~~अधि~~ सपेक्ष
(iii) 2005-2006
(iv) Q3 - Q1
(v) Q3 + Q1
(vi) सर्वोत्तम

पृष्ठ के अंकों का योग

[उ] प्रश्न 4 का उत्तर

अ - आन्तरिक बाजार - राष्ट्रीय एक देश की सीमाओं के अन्दर
ब - चालू खाते की मद - आयात निर्यात
सकल घरेलू उत्पाद - राष्ट्रीय आय
प्रत्यक्ष कर - आयकर
हिपरमैन की स्थैतिक अलरीति - सह सम्बन्ध गुणांक

प्रश्न 5 का उत्तर है

(i) असत्य
(ii) असत्य
(iii) सत्य
(iv) सत्य
(v) असत्य

6 प्रश्न क्र 6 का उत्तर

समष्टि अर्थशास्त्र की प्रमुख विशेताएँ निम्न हैं-

(1) व्यापक दृष्टिकोण :- समष्टि अर्थशास्त्र मे योगो योगो का अध्ययन किया जाता हैं इसलिए इसे योगात्म अर्थशास्त्र के नाम से जाना जाता है।

(2) व्यापक विश्लेषण :- समष्टि अर्थशास्त्र में व्यक्तिगत विश्लेषण न होकर व्यापक विश्लेषण होता इसमे व्यक्तिगत आधार पर कार्य न करके सम्पूर्ण समाज को ध्यान में दिया जाता है।

(3) आर्थिक नितियो के निर्माण सहायक :- समष्टि अर्थशास्त्र में आर्थिक नितियों के निर्माण सहायक होता है इसमे जो नीतियाँ बनाई जाती है वह सम्पूर्ण समाज को ध्यान मे रखकर बनाई जाती है।

(4) परस्पर निर्भरता :- समष्टि अर्थशास्त्र की प्रमुख विशेषता एक यह होती हैं कि इसमें परस्पर निर्भरता पाई जाती हैं इसमे योगो का औसत किया जाता है इसलिए यह दोनों एक दूसरे पर निर्भर होते है एक औसत में परिवर्तन हो इससे औसत या योगो में परिवर्तन होने लगता है।

B S E M P

7 प्रश्न 7का हैं → | अथवा |

मांग के नियम के अपवाद निम्न लिखित हैं

(1) गिफिन का विरोधाभास → मांग के नियम में गिफिन की वस्तुएँ लागू नहीं होती है। गिफिन के नाम पर गिफिन की वस्तुएँ गिफिन की वस्तुएँ कहलाती है। व्यक्ति की जब आय कम होती है तब वह घटिया वस्तुओं पर व्यय करता जब आय बढ़कर अधिक हो जाती है तो वह श्रेष्ठ वस्तुओं पर व्यय करने लगता है इसलिए मांग का नियम लागू नहीं होता है।

(2) भविष्य में मूल्य वृद्धि की आशा → भविष्य में मूल्य में वृद्धि होने से मांग का नियम लागू नहीं होता है यदि भविष्य में मूल्य अधिक तो वर्तमान में मांग अधिक होगी और इसके विपरीत मांग कम होगी।

(3) प्रतिष्ठासूचक वस्तुएँ → कुछ वस्तुएँ ऐसी होती जिनका वास्तविक मूल्य कुछ नहीं होता है इनके मूल्य में वृद्धि या कमी से मांग का नियम लागू नहीं होता

(4) अज्ञानता के कारण → अज्ञानता के कारण मांग का नियम लागू नहीं होता है क्योंकि जब वस्तुओं की कीमत कम होती है तो व्यक्ति उन्हे घटिया समझते हैं लेकिन जब कीमत बढ़कर अधिक हो जाती है तो व्यक्ति इसे श्रेष्ठ समझने लगते हैं मांग अधिक हो जाती हैं। इसलिए मांग के नियम में लागू नहीं होता है।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

मध्यप्रदेश

(3) प्रश्न 3 का उत्तर।

बाजार का वर्गीकरण निम्न है-
(1) स्थानीय बाजार
बाजार की विशेषताएँ निम्न है-
(1) बाजार का सम्बन्ध एक वस्तु से होता है।
(2) इसमें बाजार में एक क्षेत्र विशेष नहीं बल्कि एक निश्चित का होना अति आवश्यक होता है।
(3) बाजार की प्रमुख विशेषताएँ यह होती है कि इसमें दोनों का होना अतिआवश्यक होता है क्रेता तथा विक्रेता होने चाहिए और यह स्थानीय विशेष के होने चाहिए तभी हम बाजार कह सकते है।
(4) बाजार की एक विशेषता यह होती है कि इसकी कीमतों में स्थिरता का होना अति आवश्यक होना चाहिए।

(5) प्रश्न 5 का उत्तर

उपभोग फलन का महत्व निम्न है-
(1) से. के नियम के गलत सिद्ध करता है उपभोग फ. के नियम का खण्डन करता हुआ कहता है कि पूर्ति स्वयं माँग को उत्पन्न कर लेती है जिससे बेरोजगारी नहीं पाई जाती है लेकिन इसका विचार है कि आय बचत की जाती है उसे कीन्स ने व्यय प्रतीत कहा है जिससे बेरोजगारी पाई जाती है।
(2) विनियोग का महत्व - उपभोग फलन का महत्व विनियोग

DSEMP

ने होता है जब व्यक्ति की आय प्राप्त होती है तब वह व्यय पूरी माँग को नहीं करता है जिससे जिससे प्रभाव पूर्ण माँग कम हो जाती है जिसे विनियोग द्वारा पूरा किया जाता है।

(3) पूँजी की सीमान्त क्षमता घटती प्रवृत्ति की व्याख्या– उपयोग का मत है कि जब व्यक्ति की आय प्राप्त होती है तब वह उपभोग पर व्यय न करके जमा लेता है जिससे वस्तुओं की माँग कम हो जाती जिससे अर्थव्यवस्था में बाजार में वस्तुओं की का आधिक्य हो जाता है तथा पूँजी गत वस्तुओं की माँग कम हो जाती है।

(4) स्थायी जड़ता का स्पष्टीकरण – इसका प्रमुख उद्देश्य यह होता है कि पूँजीवादी अर्थव्यवस्था में उपभोग व आय का अन्तर विकास के साथ बढ़ता जाता है जिससे बचतों में वृद्धि हो जाती है और वस्तुओं में स्थायी जड़ता उत्पन्न हो जाती है।

BSEM

पृष्ठ के अंकों का योग

BSEM

10 का उत्तर

भुगतान सन्तुलन में असन्तुलन के कारण निम्न हैं -

(1) आर्थिक विकास कार्यक्रम से जब देश में आर्थिक विकास कार्य किया जाता है तो विदेशों से बड़ी मात्रा में तकनीकि का आयात किया जाता है तथा पूँजी का तथा कच्चे माल का आयात में निरंतर वृद्धि होती है। लेकिन देश से निर्यात नहीं हो पाता है। जिससे भुगतान सन्तुलन में असमानता उत्पन्न हो जाती है।

(2) जनसंख्या में वृद्धि से जनसंख्या में तीव्र गति से होती जा रही है जिससे वस्तुओं की माँग में वृद्धि होती जाती है। जिससे विदेशों से बड़ी मात्रा में वस्तुओं का आयात किया जाता है। जिससे देश में असन्तुलन की स्थिति पैदा हो जाती है।

(3) विकसित देशों द्वारा आयात पर प्रतिबन्ध से पहले विकसित देश विकासशील देशों से खाद्यान्न तथा कच्चा माल आयात करते थे लेकिन अब इन्होंने आयात पर प्रतिबन्ध लगा दिये हैं जिससे विकासशील देश विकसित राष्ट्र को निर्यात नहीं कर पाते हैं। असमानता की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

पृष्ठ के अंकों का योग

(4) अन्तर्राष्ट्रीय ऋण से जब विकासशील देश विदेशों से ऋण का आयात करते और जब ब्याज सहित अदायगी की जाती है तो देश में असन्तुलन की स्थिति पैदा हो जाती है।

11 प्रश्न 11 का उत्तर अथवा

करारोपण के उद्देश्य निम्न है –

(1) आय प्राप्त करना ⇒ करारोपण का मुख्य उद्देश्य आय प्राप्त करना है अपने कार्यों को पूरा करना है जिसलिये अमीर व्यक्तियों पर प्रतिशील कर लगाया जाता है। निर्धनों को आर्थिक सहायता की जाती है।

(2) नियमन व नियन्त्रण ⇒ करारोपण का मुख्य उद्देश्य होता है कि नियमन व नियन्त्रण स्थापित करना है करारोपण के द्वारा सरकार हानिकारक वस्तुओं पर ऊँची दर से कर लगा दिया जाता जिससे समाज को लाभ प्राप्त होता। तथा सरकार शिशु उद्योगों को संरक्षण प्रदान करता है।

(3) आर्थिक असमानता को दूर करना है ⇒ करारोपण का मुख्य उद्देश्य यह होता है कि आर्थिक विषमता को कम करना है जिसलिये सरकार ऊँची आय वालों पर ऊँची दर से कर लगा दिया जाता है तथा निर्धनों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है जिससे उनका जीवन स्तर ऊँचा हो सके

राष्ट्रीय आय में वृद्धि करना ⇒ करारोपण का मुख्य उद्देश्य यह होता है कि देश की राष्ट्रीय में वृद्धि करना है इसके लिए सरकार वस्तुओं पर ऊँची दर से कर लगाया जाता है।

B S E M P

12 प्रश्न 12 का उत्तर अथवा

निर्देशांक की चार विशेषताऐं लिखें—

(1) संख्यात्मक माप से निर्देशांक सदैव संख्याओं में व्यक्त किया जाता है जो अन्य प्रकार के परिवर्तन होती है उन्हे शब्दों में व्यक्त किया जाता है।

(2) सापेक्ष माप से निर्देशांक की माप सदैव सापेक्ष रूप में होती है जो अन्य प्रकार के परिवर्तन होते है वे निरपेक्ष रूप में व्यक्त किया जाता है।

(3) प्रतिशतों का माप से निर्देशांक को सदैव प्रतिशतों में व्यक्त किया जाता है आधार वर्ष को 100 मानकर तथा वर्तमान कीमतों से गुणा किया जाता जिससे औसत प्रतिशत ज्ञात किया जाता है।

(4) व्यापक क्षेत्र से निर्देशांक का क्षेत्र व्यापक होता है। इसमें राष्ट्रीय आय का औसत ज्ञात तथा आर्थिक विकास में सहायक होता है।

(5) तुलनात्मक अध्ययन से निर्देशांकों को तुलनात्मक अध्ययन करने में सहायक होता है। हम निर्देशांक के माध्यम से एक स्थान तथा क्षेत्र का तुलनात्मक अध्ययन एवं विदेशी व्यापार की स्थिति ज्ञात निर्देशांक के माध्यम से ज्ञात किया जाता है।

BSEMP

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 12 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

13 का उत्तर है

निर्देशांक के प्रकार निम्न है-

(1) जीवन निर्वाह निर्देशांक => निर्देशांक के माध्यम से से हम जीवन निर्वाह या मजदूरी तथा रोजगार की की मजदूरी होती है। इसे हम निर्देशांक के द्वारा ज्ञात किया जाता है। इसके लिए यह आवश्यक कि व्यक्ति की मजदूरी को थोक मूल्य पर लिया जाये या फुटकर जीवन निर्वाह निर्देशांक को हम फुटकर कीमतों के द्वारा बनाते है।

(2) आय निर्देशांक => निर्देशांक का यह सबसे महत्वपूर्ण प्रकार होता है इसके द्वारा हम हम देश तथा हमारे देश की आय के बारे में निर्देशांक के आय के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते है।

(3) समान्य मूल्य की माप => इसके के माध्यम से हम मानव की क्रय शक्ति के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सकती है तथा मानव की क्रय शक्ति के किन के द्वारा ज्ञात किया जाता।

(4) थोक मूल्य निर्देशांक => निर्देशांक के माध्यम से हम से हम थोक मूल्य की जानकारी प्राप्त की जाती है इससे यह स्पष्ट होता है कि वस्तु को थोक मूल्य पर लिया जाये या फुटकर मूल्य पर थोक के द्वारा वस्तुओं की कीमतें आसानी से ज्ञात की जा सकती है। जबकि फुटकर कीमतों पर वस्तु की कीमतों को ज्ञात नहीं ज्ञात किया जाता है

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

मध्यप्रदेश

(5) औद्योगिक निदेशांक से निदेशांक सबसे महत्वपूर्ण प्रकार एक-यह होता है कि औद्योगिक व्यवस्था में या निदेशांक से यह ज्ञान जारी प्राप्त हो जाती है। उद्योगों में वस्तु का उत्पादन बढ़ता है कि नहीं

|14|

प्रश्न 14 का उत्तर।

बजट के प्रमुख उद्देश्य निम्न है—

(1) हिसाब देयता का उद्देश्य → प्रजातन्त्र देश में जनता सरकार जनता के प्रतिनिधियों को हिसाब देने के प्रति उत्तरदायी होती है। जन प्रतिनिधि यह स्पष्ट कर सके हैं कि आय का व्यय किस प्रकार होरहा

(2) आर्थिक नियन्त्रण के बजट में उसका प्रमुख उद्देश्य होता यह होता है देश में हमें आर्थिक नियन्त्रण स्थापित करना है संसद के द्वारा नियन्त्रण स्थापित किया जाता है यदि वह नियन्त्रण स्थापित नहीं करेगा तो सम्पूर्ण व्यवस्था पर सब इकाईयाँ मनमाने ढंग से कार्य करने लगेगी।

(3) आर्थिक स्थायित्व के बजट का प्रमुख उद्देश्य यह होता है कि हमें आर्थिक स्थायित्व करना है। क्योंकि पूँजीवादी अर्थव्यवस्था की प्रमुख लक्षण यह होता है कि उच्चावचन होते रहते है जिससे आर्थिक क्षेत्र में असन्तुलन उत्पन्न हो जाता है। रोजगार पर या उत्पादन या प्रतिकूल की जगह आकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

(4) पूँजी निर्माण के महत्व से कि बजट के माध्यम से हम

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

पूँजीनिर्माण में वृद्धि करने में सहायक होता है बचत के माध्यम से ही पूँजीनिर्माण में वृद्धि होती है वह बचतों को प्रोत्साहन देता है जिससे देश में पूँजी निर्माण में वृद्धि होती जो देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका योगदान होता है

(5) योजनाओं से सम्बन्ध ⇒ बचत का मुख्य उद्देश्य होता है कि हमें योजनाओं के द्वारा देश का विकास करना है जब बचत का निर्माण किया जाता तब यह ज्ञात किया जाता है हमें योजनाओं पर कितना व्यय करना है

5

[15] प्रश्न 15 का उत्तर

नि

निर्देशांक का महत्व निम्न है –

(1) जीवन निर्वाह लागत निर्देशांक ⇒ निर्देशांक का महत्वपूर्ण उद्देश्य यह होता है कि जीवन निर्वाह लागतों में वृद्धि हो रही है या नहीं इसमे मजदूरों और नियोक्ताओं के मध्य धनिक सम्बन्ध होता है।

(2) मुद्रा के मूल्य का माप ⇒ निर्देशांक का महत्व मुद्रा के विकास में सहायक होता है इससे यह ज्ञात हो जाता है कि मुद्रा में वृद्धि हो रही है या कमी मुद्रा के मूल्य में वृद्धि होने से या कमी होने से होनी वाले प्रभाव होती है

5

पृष्ठ के अंकों का योग

(15) [55] + [5] = [60]

योग पूर्व पृष्ठ · पृष्ठ 15 के अंक · कुल अंक

(3) व्यापारी के लिए उपयोगिता के निर्देशांक का महत्व
व्यापारी के लिए महत्व अधिक होता है इनसे यह स्पष्ट हो जाता है की इसके व्यापार बढ़ रहा है या नहीं व्यापारी वर्ग के लिए निर्देशांक का महत्व सबसे अधिक होता है।

(4) उत्पादक श्री के लिए जानकारी के निर्देशांक के माध्यम से यह स्पष्ट होता है कि उत्पादक के लिए जानकारी हो जाती है उसे यह ज्ञात हो जाता की उत्पादन में वृद्धि हो रही है।

(5) अन्य महत्व
(1) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में महत्व निर्देशांक का सबसे अधिक महत्व होता है।
(2) रेलो और बैंको के क्षेत्र में भी निर्देशांको का महत्व अधिक होता है।
(3) राजनीति में और आर्थिक विकास में

5

B
S
E
M
P

[5]
पृष्ठ के अंकों का योग

16

प्रश्न 16 का उत्तर

पूर्ति की लोच को प्रभावित करने वाले तत्व →

(1) वस्तु का स्वभाव के पूर्ति की लोच को सबसे अधिक उसकी स्वभाव का होता है यदि वस्तु शीघ्र नष्ट होने वाली होती है तो उनकी लोच बेलोचदार होती है इसके विपरीत लोच लोचदार होती है

(2) उत्पादन लागत के पूर्ति की लोच में सबसे अधिक उत्पादन लागत प्रभावित करती है यदि उत्पादन उत्पत्ति ह्रास के अन्तर्गत होता है तो उसकी लोच बेलोचदार होती है यदि उत्पादन वृद्धि के अधार उत्पत्ति वृद्धि नियम के अन्तर्गत होता तो लोच लोचदार होती है।

(3) उत्पादन की तकनीक के उत्पादन की लागत भी लोच को प्रभावित करती है जिस वस्तु की तकनीक सरल होती है उसकी लोच लोचदार होती है जिन वस्तु का तकनीक जटिल कठिन होती उनकी लोच बेलोचदार होती है।

(4) समय अवधि के पूर्ति की लोच को समय अवधि प्रभावित करती है समय अवधि अधिक होने पर पूर्ति अधिक होती है। जबकि समय अवधि कम होने पर इसकी लोच उसकी लोच बेलोचदार होती है।

(5) बाजार की उपलब्धता के जिन वस्तुओं के जितने अधिक बाजार होंगे उनकी पूर्ति की लोच लोचदार होती है। बाजार कम होने पर का बेलोचदार होती

BSEMP

अंकों का योग

कुल अंक

B S E M P

(17) प्रश्न 17 का उत्तर

(1) मा राष्ट्रीय में वृद्धि हेतु सुझाव =

(1) तकनीकी विकास से राष्ट्रीय में वृद्धि के यह आवश्यक है कि तकनीकी में वृद्धि करना आवश्यक होता है। तकनीकि के द्वारा उत्पादन अधिक प्राप्त होती है जिससे राष्ट्रीय अधिक प्राप्त होता है।

(2) पूंजी निर्माण से राष्ट्रीय में वृद्धि के लिए यह आवश्यक होता है पूंजी निर्माण करना चाहिए बढ़ाने के इसलिए हमें बचत को प्रोत्साहन देना चाहिए

(3) उद्योगों का पर्याप्त विकास से हमें उद्योगों का विकास करना चाहिए ताकि राष्ट्रीय आय लगातार और अधिक प्राप्त हो सके

(4) जनसंख्या पर नियन्त्रण => देश की राष्ट्रीय में वृद्धि के लिए जनसंख्या पर नियन्त्रण करना चाहिए इसके लिए हमें परिवार नियोजन पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

(5) वित्तीय साधनों में वृद्धि से राष्ट्रीय आय में वृद्धि के लिए हमें वित्तीय व्यवस्था करना चाहिए जिससे उद्योगों का विकास हो सके।

अन्य -

(1) शिक्षा का विकास

(2) चिकित्सा व्यवस्था

(3)

प्रश्न|8| प्रश्न [8] का उत्तर अथवा

(1) पूर्ण रोजगार का अर्थ है कि सभी को रोजगार प्रदान करे हो तो इसमें हमें वृद्धि के लिए निम्न उपाय है

(1) उपभोग में वृद्धि → पूर्ण रोजगार स्थापित करने के लिए हम उपभोगों की मात्रा में वृद्धि करना चाहिए सरकार को नीचे दर से कर लगाना चाहिए।

(2) निजि विनियोग में वृद्धि → इसके लिए हमें निजि विनियोग में वृद्धि करना चाहिए। तथा सरकार को व्यापारी तथा उद्योगपति के लिए सहायता करना चाहिए तथा सरकार को निर्यात पर नीचे दर से कर लगाना चाहिए

(3) सरकारी विनियोग में वृद्धि → अपूर्ण की मात्रा में वृद्धि के लिए हमें सरकार द्वारा पूर्ण रोजगार में सबसे अधिक महत्व होता है। सरकार पथ सड़क, रेलों के माध्यम का विकास सर्वाधिक व्यय करता है। जिससे पूर्ण विद्यमान होता है

नए कार्य →

(1) कृषि का विकास करना चाहिए

(2) लघु उद्योगों तथा कुटीर उद्योग

(3) सर्वव्यापिक कार्यों में वृद्धि करना चाहिए

19
प्रश्न 15 उत्तर

BSEMP

पूर्ति के नियम के अपवाद निम्न हैं—

(1) भविष्य में मूल्य में वृद्धि या कमी के सम्बन्ध में पूर्ति का नियम लागू न होना → भविष्य में मूल्य वृद्धि होने से उत्पादक यह सोचते हैं कि भविष्य और कीमतों में वृद्धि होगी जिससे माल नहीं बेचते हैं जिससे पूर्ति का नियम लागू नहीं होता।

(2) नीलाम की जाने वाली वस्तुओं के लिए पूर्ति का नियम लागू न होना → नीलाम की जाने वाली वस्तुओं के सन्दर्भ में जब कीमतें बढ़ायी जाती हैं तब वस्तु की पूर्ति को घटाना बढ़ाना सम्भव नहीं होता है।

कृषि के सम्बन्ध में पूर्ति का नियम लागू न होना → पूर्ति के सन्दर्भ में पूर्ति का नियम लागू नहीं होता है। जब कृषि सम्बन्धी वस्तुओं की कीमत बढ़ायी जाती है तब पूर्ति को घटाना बढ़ाना सम्भव नहीं होता है।

कलात्मक वस्तुओं के सन्दर्भ में पूर्ति का नियम लागू न होना → कलात्मक वस्तुओं के सन्दर्भ में जब कीमतें बढ़ायी जाती हैं तो कलात्मक वस्तुओं की पूर्ति को बढ़ाना-घटाना सम्भव नहीं होता है।

२०
प्रश्न 20 का उत्तर

मुद्रा स्फीति के कारण निम्न हैं –

① सरकार की मुद्रा लाभ की नीति → जब सरकार अपने कार्यों को पूरा करने के लिए नई मुद्रा का सहारा लेता हैं तो मुद्रा की ० पूर्ति में वृद्धि हो जाती है जिससे मुद्रा स्फीति की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

② घाटे की वित्त व्यवस्था → मुद्रा की स्फीति में प्रमुख कारण घाटे की वित्त व्यवस्था का होता जब सरकार का बजट घाटे का बनता है तो उसकी पूर्ति के लिए नई मुद्रा या विदेशी से ऋण प्राप्त किया जाता है जिससे देश में मुद्रा की पूर्ति में वृद्धि हो जाती है स्फीति का समस्या उत्पन्न हो जाती है।

③ सरकारी नीतियाँ → जब सरकार निर्यात पर ऊँची दर से कर लगाता है तो वस्तु की मात्रा में या कीमतों में वृद्धि हो जाती है जिससे देश में मुद्रा स्फीति की समस्या बन जाती है।

④ जनसंख्या में वृद्धि → जनसंख्या में वृद्धि के कारण माँग में वृद्धि हो जाती है इस गति से उत्पादन नहीं हो पाता है जिससे वस्तु की कीमतों में वृद्धि हो जाती है।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(5) प्राकृतिक कारण ⇒ प्राकृतिक कारण भी मुद्रा स्फीति को जन्म देते है। कभी-कभी देश में सूखा, या भूकम्प, वृद्धि हो जाती है जिससे देश का उत्पादन प्रभावित हो जाता है। जिससे वस्तुओ कीमते में वृद्धि हो जाती है।

(6) व्यापारिक नीतियाँ ⇒ व्यापारिक नीतियाँ भी मुद्रा स्फीति को प्रभावित करता है। कभी-कभी मजदूरो और सेवा योजको के मध्य सम्बन्ध खराब हो जाते है। जिससे मुद्रा की दरें में वृद्धि हो जाती है

(7) अन्य कारण -

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

वर्ग	m.v	f	m.f
0-10	5	5	25
10-20	15	8	120
20-30	25	25	625
30-40	35	23	805
40-50	45	16	720
50-60	55	5	275
60-70	65	3	195
			2665

$$\frac{\Sigma mf}{N}$$

$$\frac{2665}{}$$

प्रमाप विचलन का सूत्र - $\sqrt{\frac{\Sigma fd^2}{N}}$

B S I M P

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 23 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 24 के अंक = कुल अंक

BSEMP

4 15×8
120

35×23
105 1
70×
705

35×23 1
105
70×
1

45×16 3
270
45×
720 1

पृष्ठ के अंकों का योग

2